METHODS OF QUALITATIVE OR SELECTIVE CREDIT CONTROL :-

Meaning and Objectives of Qualitative Credit Control:-

साख-नियंत्रण के जिन तरीकों की व्याख्या हमने पूर्व में की है उसका परिणाम साख के परिमाण को नियंत्रित करना है। पिछले प्रायः 100 वर्षों में साख-नियंत्रण में इसी पक्ष की प्रधानता रही है। किन्तु साख-नियंत्रण का एक दूसरा पक्ष भी है। वह है गुणात्मक नियंत्रण। महान आर्थिक मन्दी के बाद से विश्व में साख-नियंत्रण के इस तरीके का ही प्रयोग किया जा रहा है। "किसी निश्चित उद्देश्य अथवा आर्थिक जीवन की किसी विशेष शाखा के लिए साख का नियंत्रण गुणात्मक साख नियंत्रण कहा जाता है।" गुणात्मक साख-नियंत्रण का आधार यह है कि कभी-कभी स्वस्थ साख की स्थिति में किसी साख कार्य के लिए साख प्राप्त करना इतना सुगम हो जाता है कि उस विशेष क्षेत्र में साख का अनुचित प्रसार हो जाता है अथवा परिकल्पना-सम्बन्धी क्रियाओं की अधिकता हो जाती है जिससे सम्पूर्ण आर्थिक व्यवस्था का स्थायित्व ही खतरे में आ जाता है। कि ऐसी स्थिति में सामान्य रूप से साख का नियंत्रण अनुचित होता है किन्तु विशेष दिशा में साख के प्रसार का नियन्त्रण अधिक अनिवार्य हो जाता है।

कभी-कभी मुद्रा-प्रसार

की स्थिति मे जब सामान्य परिमाणात्मक नियन्त्रण शीघ्रतापूर्वक अथवा पर्याप्त जोर के साथ कार्य नही करता हो गुणात्मक नियन्त्रण तरीको को इसके पूरक के रूप मे भी अपनाया जाता है।

इस प्रकार केन्द्रीय बैंक के साख-नियन्त्रण के गुणात्मक तरीको का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहा है। इसका उद्देश्य उचित एवं अपेक्षित आर्थिक क्रियाओं को प्रोत्साहित तथा अनुचित आर्थिक क्रियाओं को हतोत्साहित करना होता है। उचित एवं अनुचित क्रियाओं का आधार स्थायी नही होकर देश की आर्थिक तथा राजनीतिक स्थिति के अनुसार बदलते रहता है। वास्तव मे 1929-32 ई० की महान आर्थिक मन्दी के बाद विश्व के अधिकांश देश योजनाकरण के आधार पर अपने आर्थिक विकास मे लगे हुए है। और आयोजित आर्थिक व्यवस्था मे साख-नियन्त्रण के इस तरीके का महत्व बहुत बढ़ जाता है।

गुणात्मक साख - नियन्त्रण के विभिन्न तरीके

अतएव आजकल विभिन्न देशों मे केन्द्रीय बैंक साख के गुणात्मक नियन्त्रण के विभिन्न तरीकों का स्वतन्त्र रूप से परिमाणात्मक तरीको के पूरक के रूप मे प्रयोग करते है।

Scanned with CamScanner

विगत कुछ वर्षों के अनुभव से यह स्पष्ट हो गया है कि परिमाणात्मक नियन्त्रण के तरीके के साथ-साथ प्रयोग करने पर गुणात्मक नियन्त्रण के निम्नांकित प्रधान तरीके हैं:-

(1) साख की रैशनिंग
2 प्रत्यक्ष तरीका
3 नैतिक दबाव
4 उपभोक्ता साख का नियन्त्रण
5 प्रचार तथा
6 शेयर बजार के नयण की सीमा को निर्धारित करना

Scanned with CamScanner